<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>
<u>26.10.2024</u>

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), नई दिल्ली ने कोल्डप्ले और दिलजीत दोसांझ के दिल-लुमिनाटी संगीत कार्यक्रम (कॉन्सर्ट) के टिकटों की अवैध बिक्री के संबंध में दिल्ली, मुंबई, जयपुर, चंडीगढ़, बेंगलुरु में तलाशी अभियान चलाया है।

भारत भर के संगीत प्रेमियों के लिए एक रोमांचक घोषणा की गई कि दो बहुप्रतीक्षित संगीत कार्यक्रम (कॉन्सर्ट): दिलजीत दोसांझ का "दिल-लुमिनाटी" और कोल्डप्ले का "म्यूजिक ऑफ द स्फीयर्स वर्ल्ड टूर" दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। दोनों ही कार्यक्रमों ने दर्शकों में जबरदस्त उत्साह पैदा किया, प्रमुख आधिकारिक टिकट विक्रय साझेदारों, बुकमाईशो और ज़ोमैटो लाइव ने यह सूचना दी कि उनके पटल (प्लेटफ़ॉर्म) पर कुछ ही मिनटों में टिकट बिक गए, जिसके कारण अंततः टिकटों की अत्यधिक कीमतों पर कालाबाज़ारी हुई।

टिकटों की तेजी से बिक्री हो जाने के बाद, फर्जी टिकटों की बिक्री के माध्यम से व्यक्तियों को धोखा दिए जाने/छले जाने की कई रिपोर्टें सामने आई हैं। कई प्रशंसकों ने पाया है कि उन्हें फर्जी टिकटें बेची गईं या असली टिकटों के लिए उनसे बहुत ज़्यादा कीमत वसूली गई।

देश भर के विभिन्न राज्यों में कई प्रथमीकियाँ दर्ज की गई हैं, जिनमें बुकमाईशो द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी भी शामिल है, जिसमें कई संदिग्धों के खिलाफ़ संगीत कार्यक्रम (कॉन्सर्ट) में जाने वालों का शोषण करने का आरोप है। प्राथमिकी में आरोप है कि इन प्रतिष्ठित संगीत कार्यक्रम (कॉन्सर्ट) की उच्च मांग का फायदा उठाते हुए ये लोग फर्जी टिकट की बिक्री करने और कीमतों में भारी वृद्धि करने में संलिप्त हैं।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच शुरू की है और 25.10.2024 को 5 राज्यों दिल्ली, मुंबई, जयपुर, बेंगलुरु और चंडीगढ़ के 13 से अधिक स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया, जहाँ घोटाले में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन, लैपटॉप, सिम कार्ड आदि जैसी कई अपराध-संकेती सामग्री जब्त की गई। इस कार्रवाई का उद्देश्य टिकटों की अवैध बिक्री और इन घोटालों का समर्थन करने वाले वित्तीय गिरोह (नेटवर्क) की जांच करना तथा ऐसी अवैध गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय का पता लगाना था।

सामान्यतः, टिकटें ज़ोमैटो, बुकमाईशो और अन्य पटलों (प्लेटफ़ॉर्म) पर उपलब्ध होती हैं। हालाँकि, जब संगीत कार्यक्रम (कॉन्सर्ट) की मांग बहुत अधिक होती है, तो ये टिकटें जल्दी बिक जाती हैं, जिससे लोग वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करते हैं। ईडी द्वारा की गई तलाशी और जांच से कई व्यक्तियों के बारे में जानकारी सामने आई है, जो इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम का उपयोग करके सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी टिकट सहित ऐसे टिकट उपलब्ध कराने के लिए जाने जाते हैं।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।